आलू में पछेती झुलसा की चेतावनी एवं प्रबंधन सलाह

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में करीब 15 दिन पहले आलू की फसल में पछेती झुलसा रोग के लक्षण दिखाई दिए है जोकि आने वाले समय में इस रोग के कवक के इनोकुलम के रूप में काम करेगा तथा पछेती झुलसा रोग को अनुकूल परिस्थितियों में तेजी से फैलाएगा । चूंकि इनोकुलम पहले से ही मौजूद है अतः किसान भाइयों को सलाह डी जाती है कि कृपया अपने आलू के खेतों में अगले 10-15 दिनों तक पछेती झुलसा की लगातार निगरानी करे। मौसम पूर्वानुसार अगले 2-3 दिन तक उत्तर भारत में बादल एवं बारिश की संभावना है यदि बादल छाए रहते हैं तथा 7°-20° C के बीच तापमान के साथ रुक-रुक कर वर्षा होती है उस स्थिति में निम्न लिखित कवकनाशी में किसी एक का 500 लीटर/हेक्टर पानी के साथ फसल पर छिड़काव करें ।

- क्लोरोथैलोनिल 75% डबल्यू.पी.@ 0.15% / कॉपरऑक्सीक्लोराइड 50% डबल्यू.पी. @ 0.3% / मैनकोज़ेब75% डबल्यू.पी. @ 0.25% / प्रोपीनेब70% डबल्यू.पी. @ 0.3% / ज़िनेब75% डबल्यू.पी. @ 0.2% का सुरक्षात्मक रूप से छिड़काव करें।
- पछेती झुलसा रोग के लक्षण पहले से ही दिखाई देने पर डाइमिथोमॉर्फ50%डबल्यू.पी. @ 0.13% / मैं डिप्रोपेपिड 23.4% एस.सी. @ 0.02% /सिमोक्सानिल 8% + मैनकोज़ेब 64%डब्ल्यू.पी.@ 0.3% या किसी भी लेबल क्लेम फफूंदनाशक की संस्तुति की गयी मात्रा का 500 लीटर/हेक्टर पानी के साथ छिड़काव करें और पछेती झुलसा की गंभीरता तथा मौसम की स्थिति के आधार पर छिड़काव को दोहराएं।